जी20 बाली में नेताओं का घोषणापत्र
बाली, इंडोनेशिया, 15-16 नवंबर 2022

1. चौदह साल पहले, जी20 के नेताओं ने पहली बार मुलाकात की थी, जो अपनी पीढ़ी में सबसे गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे थे। हम बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के रूप में पहचाने जाते हैं कि, हम सामूहिक रूप से जिम्मेदारियां निभाते हैं और कि वैश्विक आर्थिक बहाली के लिए, वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एवं मजबूत, टिकाऊ, संतुलित व समावेशी विकास की नींव रखने के लिए हमारा सहयोग आवश्यक है। हमने वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिए जी20 को एक प्रमुख मंच के रूप में चुना है, और आज हम सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं, क्योंकि हम एक बार फिर गंभीर वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

2. हम 15-16 नवंबर 2022 को बाली में एक ऐसे समय में मिले, जब अभूतपूर्व बहुआयामी संकट व्याप्त है। हमने कोविड-19 महामारी से हुई तबाही और जलवायु परिवर्तन सहित अन्य चुनौतियों का अनुभव किया है, जिसके कारण आर्थिक मंदी आई है, गरीबी बढ़ी है, वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हुई है, और सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि में बाधा आई है।

3. इस वर्ष, हमने यूक्रेन में युद्ध को वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हुए भी देखा है। इस मुद्दे पर चर्चा हुई। हमने अपनी राष्ट्रीय स्थिति को दोहराया जिसे हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अन्य मंचों में भी व्यक्त किया था, जिसे संकल्प संख्या ES-11/1 दिनांक 2 मार्च 2022 में, बहुमत से अपनाया गया था (141 वोट के लिए, 5 विरोध में, 35 तटस्थ, 12 अनुपस्थित)। यह यूक्रेन के खिलाफ रूसी संघ द्वारा किए गए आक्रमण की कड़े शब्दों में निंदा करता है और यूक्रेन के क्षेत्र से इसकी पूर्ण और बिना शर्त वापसी की मांग करता है। अधिकांश सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि यह अत्यधिक मानवीय पीड़ा पैदा कर रहा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूदा कमजोरियों को बढ़ा रहा है - विकास को बाधित कर रहा है, मुद्रास्फीति को बढ़ा रहा है, आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर रहा है, ऊर्जा और खाद्य असुरक्षा को बढ़ा रहा है, और वित्तीय स्थिरता के जोखिम में वृद्धि कर रहा है। स्थिति और प्रतिबंधों को लेकर कई अन्य विचार और आकलन भी थे। इस बात को पहचानते हुए कि जी20 सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है, हम स्वीकार करते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा मुद्दों के महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं।

4. उन अंतरराष्ट्रीय कानूनों और बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखना आवश्यक है, जो शांति और स्थिरता की रक्षा करते हैं। इसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों का बचाव करना और सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सहित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना शामिल है। परमाणु हथियारों का उपयोग या उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान व संकटों को दूर करने के प्रयास के साथ-साथ कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं। आज का युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए।

5. वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए आज के महत्वपूर्ण क्षण में, यह आवश्यक है कि जी20 आम चुनौतियों का समाधान करने के लिए सभी उपलब्ध नीति साधनों का उपयोग करते हुए ठोस, सटीक, तेज और आवश्यक कार्रवाई करे, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैक्रो नीति सहयोग और ठोस सहयोग शामिल हैं। ऐसा करने में, हम इन वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने और एसडीजी हासिल करने में विकासशील देशों, विशेष रूप से सबसे कम विकसित और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इंडोनेशियाई जी20 प्रेसीडेंसी थीम के अनुरूप- मिलकर सुधार करें, मजबूत रूप से सुधार करें- हम एक मजबूत, समावेशी और लचीले वैश्विक सुधार और सतत विकास के लिए एक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए समन्वित कार्रवाई करेंगे जो रोजगार और विकास प्रदान करता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, हम:

- हमारी मैक्रो-इकोनॉमिक नीति प्रतिक्रियाओं और सहयोग में चुस्त व लचीले बने रहेंगे। हम दीर्घकालिक प्रगति, टिकाऊ और समावेशी, हरित एवं न्यायोचित बदलाव के समर्थन के लिए सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधार करेंगे, निजी निवेश को बढ़ावा देंगे और बहुपक्षीय व्यापार तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लचीलेपन को मजबूत करेंगे। हम मूल्य स्थिरता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध अपने केंद्रीय बैंकों के साथ दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करेंगे।

- मैक्रो-इकोनॉमी और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करेंगे, मंदी के जोखिमों को कम करने के लिए वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से उठाए गए कदमों को ध्यान में रखते हुए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे, ताकि वित्तीय लचीलेपन को मजबूत किया जा सके और स्थायी वित्त एवं पूँजी प्रवाह को बढ़ावा दिया जा सके।

- मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए अस्थायी और लक्षित समर्थन प्रदान करते हुए खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई करेंगे और बाजारों की स्थिरता का समर्थन करेंगे, और इसके लिए उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच संवाद को मजबूत करने, और लंबी अवधि की खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने, लचीला और टिकाऊ भोजन, उर्वरक और ऊर्जा प्रणालियों के लिए निवेश और व्यापार को बढ़ावा देने का काम करेंगे।

- एसडीजी की उपलब्धि का समर्थन करने के लिए, निजी निवेश को उत्प्रेरित करने सहित, वित्तपोषण के विविध प्रकार के नवीन स्रोतों और उपकरणों के माध्यम से, निम्न और मध्यम-आय तथा अन्य विकासशील देशों के लिए और अधिक निवेश के रास्ते खोलेंगे। हम एसडीजी की उपलब्धि का समर्थन करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों से अपील करते हैं कि वे सतत विकास तथा बुनियादी ढांचा निवेश के द्वारा तथा वैश्विक चुनौतियों का जवाब देकर अपने शासनादेशों के भीतर धन जुटाने और अतिरिक्त वित्तपोषण प्रदान करने के लिए आगे आएं।

- सतत विकास के माध्यम से सभी के लिए समृद्धि प्राप्त करते हुए एसडीजी की उपलब्धि में तेजी लाने के लिए पुनः संकल्प लेते हैं।

6. हम मौजूदा संघर्षों और तनावों के कारण बढ़ी हुई वैश्विक खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से बहुत चिंतित हैं। इसलिए हम जीवन बचाने, भूख और कुपोषण को रोकने, विशेष रूप से इस संबंध में विकासशील देशों की लाचारी को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और टिकाऊ एवं लचीली कृषि व खाद्य प्रणालियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं की दिशा में त्वरित परिवर्तन का आह्वान करते हैं। हम वैश्विक खाद्य संकट को दूर करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करते हुए सबसे कमजोर लोगों को भुखमरी से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम वैश्विक स्तर पर मूल्य वृद्धि और खाद्य वस्तुओं एवं उर्वरकों की कमी सहित खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए और समन्वित कार्रवाई करेंगे। वैश्विक कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम जैसे जी20 के प्रयासों को ध्यान में रखते हुए, हम खाद्य सुरक्षा के समर्थन में वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पहलों का स्वागत करते हैं, और विशेष रूप से खाद्य, ऊर्जा एवं वित्त पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के वैश्विक संकट प्रतिक्रिया समूह द्वारा की गई प्रगति पर नज़र रखते हैं और साथ ही विश्व बैंक समूह तथा आईएमएफ की खाद्य सुरक्षा प्रतिक्रियाओं पर ध्यान देते हैं। हम जी20 मटेरा घोषणा पर काम के महत्व पर जोर देते हैं, भोजन के स्थायी उत्पादन और वितरण के लिए मिलकर काम करते हुए, यह सुनिश्चित करते हैं कि खाद्य प्रणालियां जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन में बेहतर योगदान देंगी, और जैव विविधता के नुकसान को रोकेंगी तथा उन्हें पूर्व स्थिति में ले आएंगी, हम खाद्य स्रोतों में विविधता लाना, सभी के लिए पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देना, वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना और भोजन की हानि व बर्बादी को कम करने के प्रयासों में तेजी लाना सुनिश्चित करते हैं। हम वन हेल्थ दृष्टिकोण को भी लागू करेंगे, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान को तेज करेंगे, और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ-साथ हितधारकों की क्षमता में सुधार करेंगे, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, छोटे धारकों, सीमांत किसानों और मछुआरों की।

7. हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को कार्यशील रखने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करते हैं। हम विशेष रूप से विकासशील देशों और न्यून विकसित देशों में जरूरतमंद लोगों के लिए खाद्य और खाद्य उत्पादों की पहुंच, सामर्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करके खाद्य असुरक्षा को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम विश्व व्यापार

संगठन के नियमों के आधार पर खुले, पारदर्शी, समावेशी, पूर्वानुमेय और गैर-भेदभावपूर्ण, नियम-आधारित कृषि व्यापार के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं। हम बाजार के बारे में भविष्यवाणी को बढ़ाने, विकृतियों को कम करने, व्यापारिक विश्वास बढ़ाने और कृषि तथा खाद्य व्यापार को सुचारू रूप से चलाने की अनुमति देने के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। हम वैश्विक कृषि खाद्य व्यापार नियमों को अद्यतन करने और कृषि एवं खाद्य उत्पादों में व्यापार को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता की पुष्टि करते हैं, साथ ही डब्ल्यूटीओ प्रावधानों के साथ असंगत तरीके से निर्यात निषेध या खाद्य और उर्वरकों पर प्रतिबंध लागू नहीं करने के महत्व की पुष्टि करते हैं। हम खाद्य व्यापार आपूर्ति श्रृंखला में पड़ने वाले व्यवधानों से सबसे कमजोर लोगों का बचाव करने के लिए स्थानीय खाद्य स्रोतों के साथ-साथ खाद्य और उर्वरकों के विविधतापूर्ण उत्पादन के आधार पर निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जानबूझकर खाद्य सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने से बचेंगे। हम आपातकालीन स्थितियों में भोजन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मानवीय आपूर्ति को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों और सभी प्रासंगिक हितधारकों से अपील करते हैं कि वे अपने पास उपलब्ध संसाधन के साथ, प्रभावित देशों की सरकारों द्वारा उनकी जरूरतों और आकलन के आधार पर, खाद्य संकट से सबसे अधिक प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करने के लिए दान और संसाधन प्रदान करें। हम प्रतिबंधों से इतर मानवीय गतिविधियों का समर्थन करना जारी रखे हुए हैं और संयुक्त राष्ट्र में चल रहे वर्तमान प्रयासों के माध्यम से सभी देशों से इस उद्देश्य का समर्थन करने का आह्वान करते हैं। हम वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति की बारीकी से निगरानी करते रहेंगे।

8. हम 22 जुलाई 2022 को हस्ताक्षरित तुर्की और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले दो इस्तांबुल समझौतों का स्वागत करते हैं और इसमें यूक्रेनी बंदरगाहों से अनाज और खाद्य पदार्थों के सुरक्षित परिवहन पर पहल (ब्लैक सी ग्रेन इनिशिएटिव) शामिल है। साथ ही हम रूसी संघ और संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के बीच समझौता ज्ञापन का स्वागत करते हैं जो तनाव कम करने और वैश्विक खाद्य असुरक्षा एवं विकासशील देशों में भूख को रोकने के लिए विश्व बाजार में रूसी खाद्य उत्पादों और उर्वरकों को बढ़ावा देता है, तथा यूक्रेन और रूसी संघ से अनाज, खाद्य पदार्थों और उर्वरकों/इनपुट की अबाधित डिलीवरी को बढ़ावा देता है। हम सभी संबंधित हितधारकों द्वारा उनके पूर्ण, समय पर और निरंतर कार्यान्वयन के महत्व पर बल देते हैं, साथ ही सभी पक्षों द्वारा इन प्रयासों को जारी रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आह्वान पर भी जोर देते हैं। इस संदर्भ में हम अन्य प्रयासों पर भी प्रकाश डालते हैं जो कृषि-खाद्य वस्तुओं के प्रवाह को सुनिश्चित करते हैं जैसे कि ईयू सॉलिडेरिटी लेन और विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा उर्वरकों का रूसी दान। इसके अलावा, हम खाद्य असुरक्षा को संबोधित करने वाली अरब समन्वय समूह पहल जैसी विभिन्न पहलों पर भी ध्यान देते हैं।

9. हम प्रकृति के साथ सामंजस्य में स्थिरता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कृषि और खाद्य प्रणालियों में डिजिटल नवाचार सहित नवीन प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही हम किसानों व मछुआरों की दक्षता बढ़ाकर और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं तक उनकी समान पहुंच सुनिश्चित कर उनकी आजीविका को बढ़ावा देने और आय में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, विशेष रूप से छोटे धारकों के। हम कृषि अनुसंधान और विज्ञान तथा साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोणों में जिम्मेदार निवेश को बढ़ावा देंगे। हम कृषि बाजार सूचना प्रणाली (एएमआईएस) को एक प्रारंभिक चेतावनी उपकरण के रूप में मजबूत करना जारी रखेंगे, ताकि खाद्य और उर्वरक/इनपुट बाजार में पारदर्शिता बढ़ाई जा सके, बाजार की अनिश्चितताओं को कम किया जा सके और समय पर विश्वसनीय डेटा तथा जानकारी को साझा करके खाद्य सुरक्षा व पोषण के लिए समन्वित नीतिगत प्रतिक्रियाओं का समर्थन किया जा सके।

10. हम खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) तथा विश्व बैंक समूह (डब्ल्यूबीजी) से खाद्य असुरक्षा पर उनके मानचित्रण अभ्यास के परिणाम हमारे साथ साझा करने की अपील करते हैं, जिसे भविष्य में तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के इनपुट के साथ समेकित किया जाएगा और जो खाद्य सुरक्षा को संबोधित करने के लिए प्रतिक्रियाओं का एक व्यवस्थित विश्लेषण प्रदान करेगा। यह वैश्विक प्रतिक्रियाओं में किसी भी बड़े अंतराल की पहचान करेगा; भोजन और पोषण के तत्वों तथा धन की जांच करेगा; उर्वरकों की आपूर्ति और मांग की जांच कर सकेगा; जी20 कृषि बाजार सूचना प्रणाली (AMIS) पर काम करेगा; और किसी भी मध्यम अवधि के मुद्दों की पहचान करेगा

जिसके लिए आगे और तकनीकी व प्रणालीगत विश्लेषण की आवश्यकता है। एफएओ और डब्ल्यूबीजी 2023 की स्प्रिंग मीटिंग तक रिपोर्ट देंगे।

11. हम भू-राजनीतिक चुनौतियों से जटिल बनती जा रही जलवायु और ऊर्जा संकट के समय में मिल रहे हैं। हम ऊर्जा की कीमतों और बाजारों में अस्थिरता तथा ऊर्जा आपूर्ति में कमी/बाधाओं का सामना कर रहे हैं। हम स्वच्छ, टिकाऊ, न्यायोचित, सस्ती और समावेशी ऊर्जा संक्रमण तथा स्थायी निवेश के प्रवाह को तेज व सुनिश्चित करके ऊर्जा प्रणालियों को तेजी से बदलने और विविधता लाने, अग्रिम ऊर्जा सुरक्षा और लचीलापन तथा बाजार स्थिरता को चिह्नित करते हैं। वैश्विक ऊर्जा मांग का वहनीय ऊर्जा आपूर्ति से मिलान किया जाए, हम इस बात को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल देते हैं। हम नवीनतम वैज्ञानिक विकास और विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मध्य शताब्दी तक या उसके आसपास वैश्विक शुद्ध शून्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन/कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम विकासशील देशों के लिए, विशेष रूप से सबसे कमजोर देशों में, सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच प्रदान करने, क्षमता निर्माण, सार्वजनिक क्षेत्र के भीतर सस्ती नवीनतम तकनीक, पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रौद्योगिकी सहयोग और ऊर्जा क्षेत्र में शमन कार्यों के लिए वित्तपोषण के निरंतर समर्थन का आह्वान करते हैं।

12. हम एसडीजी 7 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं और ऊर्जा तक पहुंच में अंतराल को खत्म करने तथा ऊर्जा गरीबी को दूर करने का प्रयास करते हैं। हमारे नेतृत्व की भूमिका को स्वीकार करते हुए, और बाली कॉम्पैक्ट तथा बाली एनर्जी ट्रांज़िशन रोडमैप द्वारा निर्देशित होते हुए, हम ऊर्जा बाज़ार में स्थिरता, पारदर्शिता और सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करके और ऊर्जा मिश्रणों एवं प्रणालियों में विविधता लाकर बदलाव में तेजी लाएंगे और अपने जलवायु उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे। हम अक्षय ऊर्जा संसाधनों सहित शून्य और निम्न उत्सर्जन वाले बिजली उत्पादन को तेजी से बढ़ाएंगे, और राष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के उपाय, कमी करने वाली प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ निष्कासन प्रौद्योगिकियों को अपनाएंगे। हम कम उत्सर्जन वाली ऊर्जा प्रणालियों की ओर बढ़ने के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास, परिनियोजन और प्रसार में तेजी लाने और नीतियों को अपनाने के महत्व को पहचानते हैं। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने के उपाय को अपनाकर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को तेज़ करना शामिल है, साथ ही इसमें राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप और न्यायोचित बदलाव के लिए समर्थन की आवश्यकता को पहचानते हुए अक्षय कोयला ऊर्जा की लगातार गिरावट को लेकर प्रयासों को तेज करना भी शामिल है। हम 2009 में पिट्सबर्ग में मध्यम अवधि में, अक्षम जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को समाप्त करने और युक्तिसंगत बनाने के लिए की गई प्रतिबद्धता को लागू करने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाएंगे। जो सबसे गरीब और सबसे कमजोर लोगों के लिए लक्षित सहायता प्रदान करते हुए कचरे की खपत को प्रोत्साहित करते हैं और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव को सीमित करके और क्षेत्रीय ऊर्जा इंटरकनेक्टिविटी विकसित करने सहित स्वच्छ, सुरक्षित, समावेशी और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को बढ़ाकर ऊर्जा सामर्थ्य और पहुंच हासिल करने पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ-साथ प्रासंगिक निर्माता-उपभोक्ता संवाद को मजबूत करेंगे। हम सबसे गरीब और सबसे कमजोर लोगों के लिए लक्षित समर्थन प्रदान करते हुए, टिकाऊ बुनियादी ढाँचे और उद्योग में निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही हम नवीन तकनीकों और बड़े पैमाने पर राजकोषीय, बाजार और नियामक तंत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करने के लिए, तथा कार्बन मूल्य निर्धारण और गैर-मूल्य निर्धारण तंत्र के उपयोग और प्रोत्साहन सहित, स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

13. हमारे नेतृत्व की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, हम यूएनएफसीसीसी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धताओं की पुष्टि करते हैं, ताकि विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों के आलोक में विभेदित जिम्मेदारियाँ और संबंधित क्षमताओं के साथ-साथ समता और समानता के सिद्धांत को दर्शाते हुए, पेरिस समझौते और उसके तापमान के लक्ष्य के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूत करके जलवायु परिवर्तन से निपटा जा सके। हम ग्लासगो जलवायु संधि और पिछले सीओपी और सीएमए के प्रासंगिक परिणामों, विशेष रूप से सीओपी 26, को लागू करने में अपनी भूमिका पूरी तरह से निभाएंगे। साथ ही हमारे एनडीसी में 2030 के लक्ष्यों को फिर से देखने और मजबूत करने के लिए हम

जुटने का आह्वान करते हैं जो पेरिस समझौते के अनुपालन में है। इस संबंध में, हम नए या अद्यतन एनडीसी के परिणामस्वरूप बढ़ी हुई जलवायु कार्रवाइयों का स्वागत करते हैं और सभी पक्षों को आमंत्रित करते हैं कि वे शमन और अनुकूलन तथा कार्यान्वयन के साधनों को तेज़ी से बढाएं और सीओपी 27 में नुकसान और क्षति पर प्रगति करें जिसे अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है। आईपीसीसी के आकलन को ध्यान में रखते हुए कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव 2 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस की तापमान वृद्धि पर बहुत कम होगा, हम तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं। इसके लिए विभिन्न दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए, सभी देशों द्वारा सार्थक और प्रभावी कार्यों और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी, स्पष्ट राष्ट्रीय मार्गों के विकास के माध्यम से जो दीर्घावधि महत्वाकांक्षा के साथ-साथ लघु और मध्यम अवधि के लक्ष्यों के अनुरूप हों। साथ ही जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन, जिसमें वित्त और प्रौद्योगिकी शामिल है, और सतत विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण संबल के रूप में टिकाऊ और जिम्मेदार खपत और उत्पादन शामिल है।

14. हम 2020 के बाद वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क (जीबीएफ) हासिल करने की दिशा में अब तक हुई प्रगति का स्वागत करते हैं। हम सभी पार्टियों और देशों से आग्रह करते हैं कि वे जीबीएफ को अंतिम रूप दें और COP15 CBD के दूसरे भाग में "प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने" के 2050 के विजन को साकार करने की दृष्टि से अपनाएं। यह 2030 तक जैव विविधता हानि को रोकने और वापस पाने के लिए कार्रवाई और उत्तरदायित्व के एक मजबूत ढांचे के रूप में, और तदनुसार राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीतियों और कार्य योजनाओं को अद्यतन करने के लिए उपयुक्त है। हम तीन रियो सम्मेलनों के उद्देश्यों को प्राप्त करने और उनमें तालमेल बिठाने के महत्व पर जोर देते हैं। हम जैव विविधता के लिए स्पष्ट और मापने योग्य लक्ष्यों तथा कार्यान्वयन एवं उत्तरदायित्व के साधनों की आवश्यकता पर बल देते हैं। हम 2030 तक जैव विविधता के नुकसान को रोकने और वापस लाने के लिए कार्रवाई को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और CBD पक्षों का आह्वान करते हैं की वे मॉन्ट्रियल में COP-15 में एक महत्वाकांक्षी, संतुलित, व्यावहारिक, प्रभावी, मजबूत और परिवर्तनकारी पोस्ट-2020 ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क को अपनाएं। एक बार तय हो जाने के बाद, जीबीएफ (GBF) के कार्यान्वयन के लिए नए और अतिरिक्त वित्तीय संसाधन प्रदान करने के लिए हम देशों और संस्थाओं सहित सभी श्रोतों से संसाधन जुटाने का आग्रह करते हैं, साथ ही, विकासशील देशों को सक्षम बनाने और उनका समर्थन करने तथा जैव विविधता के उद्देश्यों के साथ निजी और सार्वजनिक वित्तीय प्रवाह को संरेखित करने के लिए भी हम अपील करते है। हम जैव विविधता की हानि, वनों की कटाई, मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखे से निपटने के प्रयासों को बढ़ाएंगे, साथ ही 2030 तक भूमि क्षरण तटस्थता प्राप्त करने के लिए और 2040 तक भूमि क्षरण को 50% तक कम करने की जी20 की महत्वाकांक्षा के समर्थन में स्वैच्छिक आधार पर खराब भूमि को पुनः खेती योग्य बनाएंगे। हम कई देशों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना करते हैं कि कम से कम 30% वैश्विक भूमि और कम से कम 30% वैश्विक महासागर और समुद्र को 2030 तक संरक्षित या सुरक्षित किया जा सके और हम राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार इस उद्देश्य की दिशा में प्रगति करने में मदद करेंगे। हम अस्थिर खपत और उत्पादन पैटर्न को बदलकर पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के साथ-साथ कचरे के अवैध सीमा पार यातायात को रोकने सहित पर्यावरण की दृष्टि से अच्छे अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

15. हम प्रकृति आधारित समाधानों और पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उसे रिवर्स करने के प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे, हम जलवायु शमन और अनुकूलन का समर्थन करने,

पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को तेज़ करने, स्थायी उपयोग और पुनः बहाली को बढ़ाने, प्राकृतिक आपदाओं का मुकाबला करने, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण को कम करने, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बढ़ाने और समुद्री एवं तटीय वातावरण को प्रभावित करने वाले मुद्दों को संबोधित करने के प्रयासों को गति देंगे। हम निरंतर विकास और जीवन शैली, संसाधन दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगे, ताकि वैज्ञानिक ज्ञान को साझा करने, जागरूकता बढ़ाने और क्षमता निर्माण पर एक साथ काम किया जा सके तथा स्थायित्व को बढ़ाया जा सके, विशेष रूप से महासागर-आधारित जलवायु कार्रवाई पर आगे बढ़ने के लिए। हम अवैध, बिना सूचित किए और अनियमित मछली पकड़ने को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम मत्स्य पालन सब्सिडी पर डब्ल्यूटीओ के बहुपक्षीय समझौते का स्वागत करते हैं और इसे शीघ्र प्रभाव में लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यूएनईए (UNEA) के प्रस्ताव

5/14 के अनुरूप, हम 2024 के अंत तक काम को पूरा करने की महत्वाकांक्षा के साथ, समुद्री वातावरण सहित हर जगह प्लास्टिक प्रदूषण पर कानूनी रूप से बाध्यकारी एक अंतरराष्ट्रीय उपकरण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अब तक हुई प्रगति को चिह्नित करते हैं और इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिनिधिमंडल से राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से परे समुद्री जैविक विविधता के संरक्षण और स्थायी उपयोग पर यूएनसीएलओएस (UNCLOS) के तहत एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी उपकरण पर देरी किए बिना एक महत्वाकांक्षी और संतुलित समझौते को प्राप्त करने की अपील करते हैं, जिसके बारे में यूएनजीए (UNGA) के प्रस्ताव 69/292 में कहा गया है। हम यह भी स्वीकार करते हैं कि जंगलों, समुद्री घास, कोरल रीफ्स, वेटलैंड इकोसिस्टम और पीटलैंड्स व मैंग्रोव सहित उनकी सभी विविधताओं में पारिस्थितिकी तंत्र, जलवायु परिवर्तन के शमन और अनुकूलन प्रयासों का समर्थन करते हैं।

16. हम जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता को हुए नुकसान और पर्यावरणीय क्षरण का मुकाबला करने के लिए तथा विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण रूप से बढ़ते समर्थन के लिए सभी स्रोतों से एक पूर्वानुमेय, पर्याप्त और समय पर नीतियों को मजबूत करने तथा वित्त जुटाने की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। हम विकसित देशों से आग्रह करते हैं और दोहराते हैं कि वे सार्थक शमन कार्रवाई व कार्यान्वयन पर पारदर्शिता के संदर्भ में 2020 से 2025 तक प्रति वर्ष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करें। हम विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए प्रति वर्ष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सहयोग से जलवायु वित्त के एक महत्वाकांक्षी नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य पर निरंतर विचार-विमर्श का समर्थन करते हैं, जो यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) के उद्देश्य और पेरिस समझौते के कार्यान्वयन को पूरा करने में मदद करता है। हम प्रतिज्ञाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देते हैं। हम ग्लासगो जलवायु संधि को याद करते हैं, जो विकसित देशों से आग्रह करता है कि वे पेरिस समझौते के अनुच्छेद 9 को ध्यान में रखते हुए, बढ़े हुए वित्तीय संसाधन के प्रावधान के तहत शमन और अनुकूलन के बीच एक संतुलन प्राप्त करने के संदर्भ में, विकासशील देशों के अनुकूलन के लिए जलवायु वित्त के अपने सामूहिक प्रावधान को 2025 तक, 2019 के स्तर से कम से कम दोगुना कर दें।

17. जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) और पेरिस समझौते के लक्ष्यों तक पहुँचने के साथ -साथ COP26 की प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करने के संदर्भ में, हम दोहराते हैं कि कार्बन तटस्थता और नेट ज़ीरो की ओर हमारी मिश्रित नीति में राजकोषीय, बाजार और नियामक तंत्रों की एक पूरी श्रृंखला शामिल होनी चाहिए, जिनमें कार्बन मूल्य निर्धारण और गैर-मूल्य निर्धारण तंत्र एवं प्रोत्साहन का उपयोग, तथा अक्षम जीवाश्म ईंधन को धीरे-धीरे और मध्यम अवधि के लिए कम करना शामिल हैं, जो कचरे की खपत को प्रोत्साहित करते हैं। हम सबसे गरीब और कमजोर तथा राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप लक्षित सहायता प्रदान करते हुए, इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जलवायु परिवर्तन से उपजी मैक्रो-आर्थिक जोखिमों को स्वीकार करते हैं और विभिन्न संक्रमणों की लागत और लाभों पर चर्चा जारी रखेंगे।

18. हम यूएनएफसीसीसी और पेरिस समझौते के साथ-साथ जैविक विविधता पर कन्वेंशन के अनुरूप सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित, न्यायसंगत और किफायती बदलाव के समर्थन में कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जी20 सतत वित्त रोडमैप की प्राथमिकताओं को संबोधित करने में जी20, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, अन्य अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और पहल, और निजी क्षेत्र में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं, जो स्वैच्छिक और लचीले हैं। हम रोडमैप द्वारा अनुशंसित कार्रवाइयों को आगे बढ़ाने के लिए और प्रयास करने का आह्वान करते हैं, जो स्थायी वित्तपोषण के स्तर को बढ़ाएंगी। हम सस्टेनेबल फाइनेंस वर्किंग ग्रुप के ऑनलाइन डैशबोर्ड और कोष की स्थापना का स्वागत करते हैं, जो रोडमैप पर चल रही और आगे होने वाली प्रगति को दर्शाता है, और सदस्यों को देश की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्वैच्छिक आधार पर योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हम 2022 की जी20 सस्टेनेबल फाइनेंस रिपोर्ट का समर्थन करते हैं, जो वित्तीय संस्थानों की नेट जीरो प्रतिबद्धताओं की विश्वसनीयता में सुधार करते हुए और पहुंच व सामर्थ्य में सुधार पर ध्यान देने के साथ-साथ स्थायी वित्त साधनों को बढ़ाते हुए परिवर्तनीय वित्त ढांचे को विकसित करने में प्रासंगिक हितधारकों और अधिकार क्षेत्र के लिए व्यावहारिक तथा स्वैच्छिक अनुशंसाओं को स्पष्ट करती है। हम प्रेसीडेंसी के फोरम के दौरान पॉलिसी

लीवर पर हुई मूल्यवान चर्चा का भी स्वागत करते हैं जो संक्रमण का समर्थन करने के लिए वित्तपोषण और निवेश को प्रोत्साहित करती है।

19. हम एक स्वस्थ और स्थायी सुधार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो एसडीजी के तहत सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को प्राप्त करने और उसे बनाए रखने की दिशा में आगे बढ़ता है। जहाँ एक ओर कोविड-19 महामारी खत्म नहीं हुई है, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल ही में मंकीपॉक्स को एक अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन अंतर्राष्ट्रीय चिंता (PHEIC) के रूप में घोषित किया है, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य खतरे हमेशा मौजूद रहे हैं और जी20 तथा व्यापक वैश्विक समुदाय को हमारी सामूहिक रोकथाम, तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमताओं में सुधार के लिए एक साथ आना चाहिए। हम लोगों को तैयारियों के केंद्र में रखकर और उन्हें प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए तैयार करके राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व को दोहराते हैं। हम महामारी चिकित्सा के प्रतिउपायों तक समान पहुंच की आवश्यकता पर जोर देते हैं, और एसीटी-ए के प्रयासों का स्वागत करते हैं, और यह मानते हैं कि एसीटी-ए के बाहरी मूल्यांकन के परिणाम भविष्य की चर्चाओं के लिए उपयोगी सबक हो सकते हैं। हम डब्ल्यूएचओ की अग्रणी और समन्वयक भूमिका तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के समर्थन से वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम अंतर-सरकारी बातचीत निकाय (INB) के काम का समर्थन करते हैं जो एक कानूनी रूप से बाध्यकारी उपकरण का मसौदा तैयार करेगा और उस पर बातचीत करेगा जिसमें महामारी पीपीआर (PPR) को मजबूत करने के लिए कानूनी और गैर-कानूनी रूप से बाध्यकारी दोनों तत्व शामिल होने चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों पर कार्य समूह इंटरनेशनल स्वास्थ्य विनियम (IHR) (2005) के संशोधनों पर विचार करेगा, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि निर्णय विश्व स्वास्थ्य सभा द्वारा किया जाएगा।

20. जी20 उच्चस्तरीय स्वतंत्र पैनल, डब्ल्यूएचओ और विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि वार्षिक महामारी पीपीआर (PPR) वित्तपोषण में लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अंतर है। हम अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों के प्रावधान का स्वागत करते हैं, जिसे सऊदी अरब जी20 प्रेसीडेंसी व इतालवी जी20 प्रेसीडेंसी द्वारा शुरू किया गया तथा इंडोनेशियाई जी20 प्रेसीडेंसी द्वारा जारी रखा गया। इससे आईएचआर (IHR) (2005) को लागू करने और पीपीआर (PPR) की क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण अंतराल के वित्तपोषण में सहायता प्राप्त होगी। इस संबंध में, हम विश्व बैंक द्वारा आयोजित महामारी पीपीआर ('महामारी कोष') के लिए एक नए वित्तीय मध्यस्थ कोष की स्थापना का स्वागत करते हैं। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण महामारी पीपीआर अंतराल को संबोधित करना है और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर क्षमता का निर्माण करना, महामारी पीपीआर के लिए वित्तीय संसाधनों में अतिरिक्तता लाना, पूरक निवेश को उत्प्रेरित करना, और महामारी पीपीआर को मजबूत करने के लिए एक समन्वित और सुसंगत दृष्टिकोण की सुविधा प्रदान करना है। हम निम्न और मध्यम आय वाले देशों, नागरिक समाज संगठनों और दानदाताओं से महामारी कोष की समावेशी सदस्यता और प्रतिनिधित्व का स्वागत करते हैं, और इस प्रयास में डब्ल्यूएचओ की तकनीकी विशेषज्ञता और केंद्रीय समन्वय की भूमिका को स्वीकार करते हैं, जो वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में इसकी नेतृत्वकारी भूमिका को दर्शाता है। हम विश्व बैंक द्वारा आयोजित सचिवालय के काम की सराहना करते हैं, जिसमें तकनीकी नेतृत्व और तकनीकी सलाहकार पैनल के अध्यक्ष के रूप में डब्ल्यूएचओ भी साथ है। हम जल्द से जल्द महामारी कोष के प्रस्तावों के लिए पहली कॉल के लॉन्च की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हम महामारी फंड के माध्यम से महामारी पीपीआर के लिए विकासशील देशों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और इसके पहले वर्ष के अंत में महामारी कोष की स्टॉकटेकिंग समीक्षा के लिए तत्पर हैं ताकि सीखे गए सबक और आवश्यक परिवर्तनों को शामिल किया जा सके। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह अपने शासी दस्तावेजों के अनुसार काम कर रहा है और महत्वपूर्ण पीपीआर अंतराल को भरने में प्रभावी है, और डब्ल्यूएचओ के लिए इसकी एक केंद्रीय समन्वय भूमिका है, यह जी20 के लिए एक मजबूत संबंध बनाए रखता है, और निम्न और मध्यम आय वाले देशों तथा निर्णय लेने में अतिरिक्त गैर-जी20 भागीदारों के दृष्टिकोणों को शामिल करता है। हम वर्तमान दानदाताओं द्वारा 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि के संकल्पों की सराहना करते हैं, तथा अतिरिक्त

स्वैच्छिक संकल्पों को प्रोत्साहित करते हैं। हम नए दानदाताओं से महामारी कोष में शामिल होने का आह्वान करते हैं, क्योंकि वे सक्षम हैं।

21. महामारी पीपीआर के लिए वित्त और स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच सहयोग जारी रखना आवश्यक है। हम टास्क फोर्स के जनादेश का विस्तार करते हैं, और टास्क फोर्स के सचिवालय से टास्क फोर्स के सह-अध्यक्षों, आने वाले भारतीय जी20 प्रेसीडेंसी, जी20 ट्रोइका, और जी20 सदस्यों के साथ मिलकर काम करने का आह्वान करते हैं ताकि एक बहुवर्षीय नियोजन क्षितिज को ध्यान में रखते हुए 2023 के लिए टास्क फोर्स वर्कप्लान पर सहमति बनाई जा सके। हम विश्व बैंक के सहयोग से सचिवालय की मेजबानी जारी रखने के लिए डब्ल्यूएचओ को धन्यवाद देते हैं। 2023 में टास्क फोर्स की सह-अध्यक्षता इंडोनेशिया और इटली करेंगे, जो उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं, और जो 2023 के भारतीय जी20 प्रेसीडेंसी के सहयोग से डब्ल्यूएचओ, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और अन्य प्रासंगिक संगठनों की विशेषज्ञता से लाभ प्राप्त करते रहेंगे। निम्न आय वाले देशों की आवाज को बल देने के लिए हम प्रमुख क्षेत्रीय संगठनों को टास्क फोर्स की बैठकों में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं, यदि उन्हें उपयुक्त लगे तो। हम यह सुनिश्चित करने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर काम करेंगे कि टास्क फोर्स वैश्विक महामारी पीपीआर संरचना का पूरक बना रहे और वैश्विक स्वास्थ्य शासन प्रणाली का आगे दोहराव और विखंडन न हो। जी20 रोम के नेताओं के घोषणापत्र के जनादेश को पूरा करते हुए, 2023 में टास्क फोर्स वित्त और स्वास्थ्य मंत्रालयों के बीच समन्वय व्यवस्था विकसित करता रहेगा, और महामारी के लिए संयुक्त प्रतिक्रिया विकसित करने के लिए वित्त-स्वास्थ्य समन्वय के पिछले अनुभवों को साझा करेगा, यदि उपयुक्त हो तो। टास्क फोर्स महामारी से होने वाले आर्थिक जोखिमों और कमजोरियों को बेहतर ढंग से समझने और उन्हें कम करने के लिए काम करेगा, देश-विशिष्ट परिस्थितियों पर विचार करते हुए और संसाधन जुटाने पर आगे के काम के महत्व को पहचानते हुए नई महामारी के जवाब में वित्त और स्वास्थ्य समन्वय पर ध्यान देगा। हम टास्क फोर्स से इसकी प्रगति पर 2023 में वित्त और स्वास्थ्य मंत्रियों को वापस रिपोर्ट करने के लिए कहते हैं।

22. हम मानते हैं कि व्यापक कोविड-19 टीकाकरण वैश्विक सार्वजनिक कल्याण का कार्य है और हम सुरक्षित, सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी टीकों, चिकित्सीय विधि और निदान (VTDs) तक समय पर, न्यायसंगत और सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के अपने प्रयास को आगे बढ़ाएंगे। कोविड-19 महामारी तथा भविष्य की अन्य महामारियों की तैयारी को लेकर डब्ल्यूटीओ की प्रतिक्रिया पर मंत्रिस्तरीय घोषणापत्र को अपनाए जाने को स्वीकार करते हुए, तथा विश्व व्यापार संगठन के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC12) में ट्रिप्स (TRIPS) समझौते पर मंत्रिस्तरीय निर्णय को मानते हुए, हम पाते हैं कि, ट्रिप्स (TRIPS) पर मंत्रिस्तरीय निर्णय की तिथि से छह महीने के भीतर ही, विश्व व्यापार संगठन के सदस्य कोविड-19 के निदान और चिकित्सीय विधि के उत्पादन और आपूर्ति को कवर करने के लिए इसका विस्तार कर लेंगे। हम मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने वाले रोगजनकों और रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) का पता लगाने के लिए जीनोमिक निगरानी सहित एक बहुक्षेत्रीय 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण को शामिल करने और वैश्विक निगरानी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईएचआर (IHR) (2005) को लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में वैश्विक रोगज़नक़ निगरानी को सक्षम करने के लिए, हम डब्ल्यूटीओ के साथ मिलकर एक साझा और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म पर समयबद्ध तरीके से रोगज़नक़ डेटा को साझा करने को प्रोत्साहन देते हैं। हम लागू राष्ट्रीय कानूनों के साथ संगत रोगजनकों के उपयोग से होने वाले लाभों को साझा करने को प्रोत्साहित करते हैं।

23. हम स्थानीय और क्षेत्रीय स्वास्थ्य उत्पाद निर्माण क्षमताओं और सहयोग के साथ-साथ स्थायी वैश्विक और क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विकास नेटवर्क को मजबूत करने की आवश्यकता को पहचानते हैं ताकि विश्व स्तर पर वीटीडी तक बेहतर पहुंच की सुविधा मिल सके, विशेष रूप से विकासशील देशों में। साथ ही हम सार्वजनिक-निजी भागीदारी के महत्व को रेखांकित करने तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्वैच्छिक व पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर ज्ञान साझा करने के महत्व को रेखांकित करते हैं। हम डब्ल्यूएचओ mRNA वैक्सीन टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हब के साथ-साथ दुनिया के सभी क्षेत्रों में स्वैच्छिक और पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों के आधार पर तकनीक और तकनीकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य का समर्थन करते हैं। हम विकासशील देशों के बीच संवर्धित सहयोग के साथ-साथ

संयुक्त अनुसंधान और टीकों के संयुक्त उत्पादन का स्वागत करते हैं। हम आईएचआर (2005) के ढांचे के तहत साझा तकनीकी मानकों और सत्यापन विधियों के महत्व को स्वीकार करते हैं, ताकि निर्बाध अंतरराष्ट्रीय यात्रा, इंटरऑपरेबिलिटी और डिजिटल एवं गैर डिजिटल समाधानों को पहचानने की सुविधा तथा टीकाकरण के प्रमाण की सुविधा प्राप्त हो सके। हम विश्वसनीय वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क की स्थापना पर निरंतर अंतर्राष्ट्रीय संवाद और सहयोग का समर्थन करते हैं जो भविष्य की महामारियों की रोकथाम और प्रतिक्रिया को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है, और जिसे मौजूदा मानकों और डिजिटल कोविड-19 प्रमाणपत्रों की सफलता का लाभ उठाना चाहिए।

24. कोविड-19 महामारी ने डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र और डिजिटल अर्थव्यवस्था के परिवर्तन को गति दी है। हम एसडीजी तक पहुंचने में डिजिटल परिवर्तन के महत्व को पहचानते हैं। हम ये मानते हैं कि डिजिटल समावेशन और डिजिटल परिवर्तन के लिए सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल कनेक्टिविटी अतिआवश्यक है, जबकि डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास और भरोसा बढ़ाने के लिए एक लचीला और सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण जरूरी है। हम एक सक्षम, समावेशी, खुली, निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नीतियों के महत्व को पहचानते हैं जो नई तकनीकों के अनुप्रयोग को बढ़ावा देती है, व्यवसायों और उद्यमियों को फलने-फूलने में सक्षम बनाती है, और डिजिटल विभाजन, गोपनीयता, डेटा संरक्षण, बौद्धिक संपदा अधिकार और ऑनलाइन सुरक्षा जैसी डिजिटल चुनौतियों को संबोधित करते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करती है और उन्हें सशक्त बनाती है। हम दुष्प्रचार अभियानों, साइबर खतरों, ऑनलाइन दुरुपयोग, और कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे में सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व को स्वीकार करते हैं। हम विश्वास के साथ डेटा मुक्त प्रवाह को और सक्षम बनाने तथा सीमा पार डेटा प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम एक अधिक समावेशी, मानव-केंद्रित, सशक्त और स्थायी डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाएंगे। हम विकास, आर्थिक उन्नति और सामाजिक कल्याण के लिए डेटा की भूमिका को भी दोहराते हैं।

25. हम विशेष रूप से महिलाओं, लड़कियों और कमजोर परिस्थितियों वाले लोगों के लिए डिजिटल परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों का दोहन करने के लिए डिजिटल कौशल और डिजिटल साक्षरता को और विकसित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करते हैं और विश्वसनीय कौशल एवं साक्षरता विकसित करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं। हमारा फोकस इस तरह की मांगों को पूरा करने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, शिक्षा और प्रशिक्षण, पुनः कौशल और अतिरिक्त कौशल का उपयोग करने में कुशल कार्यबल की बढ़ती मांगों पर है। हम उच्च क्षमता को बढ़ाकर और बुनियादी ढाँचों को सुरक्षित कर तथा अधिक सुलभ और किफायती संसाधन व उपकरण प्रदान कर कनेक्टिविटी को बढ़ाना चाहते हैं। साथ ही हम शिक्षार्थियों, शिक्षकों, स्कूल के नेताओं और अन्य शैक्षिक पेशेवरों के साक्षरता कौशल को बढ़ा कर शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच को सुनिश्चित करना, सीखने में सुधार करना और आजीवन शिक्षण को बढ़ावा देना
चाहते हैं।

26. हमने पाया कि डिजिटल तकनीक विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और सशक्तिकरण की कुंजी बन गई है, जो एक लचीली और टिकाऊ खाद्य प्रणाली एवं कृषि के निर्माण, सतत और सम्मानित नौकरियों और मानव क्षमता विकास, समावेशी व्यापार, औद्योगीकरण और निवेश का समर्थन तथा उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ भविष्य की अर्थव्यवस्था की क्षमता का मार्ग खोलने, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) और स्टार्ट-अप के लिए बहुत जरूरी है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि युवाओं, महिलाओं, व्यापार क्षेत्र, ऑडिट संस्था, संसद, वैज्ञानिक और मजदूर सहित सभी हितधारकों को शामिल करके हमारे समाज को डिजिटल रूप से बदलने के हमारे प्रयास में एक भी व्यक्ति पीछे न छूट जाए।

27. हम सीमा पार भुगतान बढ़ाने के लिए जी20 रोडमैप के निरंतर कार्यान्वयन का समर्थन करते हैं, जिसमें प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के लिए प्रारंभिक अनुमानों की भावी कार्यविधि और 2022 की प्रगति रिपोर्ट शामिल है जो काम के अगले चरण के लिए प्राथमिकताओं को निर्धारित करती है। हम केंद्रीय बैंकों, अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों और भुगतान उद्योग को सीमा पार भुगतान बढ़ाने के लिए इन महत्वपूर्ण पहलों पर सहयोगात्मक रूप से काम करते रहने

के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम इंटरलिंकिंग भुगतान प्रणाली और एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) की भूमिका को लेकर बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) कमिटी ऑन पेमेंट्स एंड मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर (सीपीएमआई) की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं, जिसे इकोनोमी केउआंगन डिजिटल इंडोनेशिया (Ekonomi Keuangan Digital Indonesia) (FEKDI) महोत्सव, 2022 में, सीमा पार से भुगतान और इंटरऑपरेबिलिटी पर बीआईएस सीपीएमआई और बीआईएस इनोवेशन हब (बीआईएसआईएच) के सहयोग से इंडोनेशियाई जी20 प्रेसीडेंसी द्वारा एक संयुक्त कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया था। हम सीमा पार भुगतान के लिए सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्राओं (CBDCs) तक पहुंच और इंटरऑपरेबिलिटी के विकल्पों पर BIS CPMI, BISIH, IMF और विश्व बैंक की संयुक्त रिपोर्ट का भी स्वागत करते हैं।

28. हम उत्पादकता बढ़ाने और महिलाओं, युवाओं एवं एमएसएमई, अथवा जी20 2020 वित्तीय समावेशन कार्य योजना द्वारा निर्देशित योग्याकार्ता वित्तीय समावेशन ढांचा के लिए एक सतत और समावेशी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलीकरण का उपयोग करने पर जी20 के वित्तीय समावेशन ढांचे का समर्थन करते हैं। डिजिटलीकरण और स्थायी वित्त विकास को संबोधित करने और वित्तीय समावेशन तथा कल्याण का समर्थन करने के लिए, हम वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण पर अद्यतन G20/OECD उच्चस्तरीय सिद्धांतों का समर्थन करते हैं और एसएमई वित्तपोषण पर अद्यतन G20/OECD उच्चस्तरीय सिद्धांतों का स्वागत करते हैं।

29. एक साथ सुधार की ओर बढ़ने, मजबूत होने की अपनी सामूहिक महत्वाकांक्षा का समर्थन करने के लिए, हम देशों की विशिष्ट परिस्थितियों के आधार पर उचित विचार के साथ स्थायी सुधार का समर्थन करने के लिए सुविचारित, सुनियोजित और अच्छी तरह से संप्रेषित नीतियों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास का समर्थन करने के लिए खराब प्रभावों को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपनी राजकोषीय नीति के प्रति चुस्त और लचीले बने रहेंगे, और जरूरत पड़ने पर बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए तैयार रहेंगे। सबसे कमजोर लोगों की क्रय शक्ति को बनाए रखने में मदद करने के लिए अस्थायी और लक्षित उपायों, तथा ऊर्जा एवं खाद्य कीमतों सहित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के प्रभाव को कम करने के तरीकों को अच्छी तरह से डिज़ाइन किया जाना चाहिए ताकि उच्च मुद्रास्फीति के दबावों से बचा जा सके। हम मैक्रो नीति सहयोग को बढ़ाना जारी रखेंगे, वित्तीय स्थिरता और दीर्घकालिक राजकोषीय स्थिरता को बनाए रखेंगे, और नकारात्मक जोखिम एवं बिखराव के खिलाफ सुरक्षा बनाए रखेंगे। वित्तीय स्थितियों के सख्त होने के कारण मैक्रोप्रूडेंशियल नीतियों को बढ़ते प्रणालीगत जोखिमों से बचाने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। इस बात को स्वीकार करते हुए कि कई मुद्राओं में इस वर्ष बढ़ी हुई अस्थिरता के साथ उल्लेखनीय रूप से बदलाव आया है, हम अप्रैल 2021 में हमारे वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों द्वारा विनिमय दरों पर की गई प्रतिबद्धताओं की फिर से पुष्टि करते हैं। हम वैश्विक सहयोग के महत्व को भी दोहराते हैं और जी20 के माध्यम से बहुपक्षवाद की एक प्रभावी प्रणाली को बनाए रखने के प्रयासों के लिए इंडोनेशियाई जी20 प्रेसीडेंसी की सराहना करते हैं।

30. जी20 के केंद्रीय बैंक अपने संबंधित अधिदेशों के अनुरूप मूल्य स्थिरता प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए, वे मुद्रास्फीति अपेक्षाओं पर मूल्य दबावों के प्रभाव की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और वे डेटा-निर्भर तथा स्पष्ट रूप से संप्रेषित तरीके से मौद्रिक नीति को सख्त करने की गति की उचित रूप से निगरानी करते रहेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि सुधार को बनाए रखते हुए और क्रॉस-कंट्री स्पिलओवर को सीमित करने में सतर्क रहते हुए मुद्रास्फीति की उम्मीदें अच्छी तरह से स्थिर रहें। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने और मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है।

31. हम ओईसीडी/जी20 के दो-स्तंभ वाले अंतरराष्ट्रीय कर पैकेज के तेजी से कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम पिलर वन की प्रगति का स्वागत करते हैं। हम पिलर टू ग्लोबल एंटी-बेस इरोजन (GloBE) मॉडल नियमों की प्रगति का भी स्वागत करते हैं, जो एक सामान्य दृष्टिकोण के रूप में वैश्विक स्तर पर लगातार कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करते हैं, और हम ग्लोबई कार्यान्वयन ढांचे के पूरा होने की आशा करते हैं। हम बेस इरोजन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग (बीईपीएस) पर ओईसीडी/जी20 समावेशी ढांचे का आह्वान करते हैं, ताकि पिलर वन को अंतिम रूप दिया जा सके,

और 2023 की पहली छमाही में बहुपक्षीय सम्मेलन पर हस्ताक्षर करके, तथा स्तंभ दो के तहत कर नियम (STTR) के संबंध में बातचीत को पूरा किया जा सके, जो इसके कार्यान्वयन के लिए एक बहुपक्षीय साधन को विकसित करने के लिए सक्षम करेगा। हम कर और विकास पर जुलाई 2022 जी20 मंत्रिस्तरीय संगोष्ठी के आलोक में कर और विकास एजेंडा को मजबूत करेंगे, और हमारी नज़र विकासशील देशों और अंतर्राष्ट्रीय कर पर जी20/ ओईसीडी रोडमैप पर है। हम क्षेत्रीय प्रयासों सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत कर पारदर्शिता मानकों को लागू करने में हुई प्रगति का समर्थन करते हैं और जुलाई 2022 में एशिया इनिशिएटिव बाली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हैं। हम क्रिप्टो-एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क और कॉमन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड में संशोधन का भी स्वागत करते हैं। दोनों को ही हम सूचनाओं के स्वत: आदान-प्रदान के लिए वैश्विक मानकों का अभिन्न अंग मानते हैं। हम ओईसीडी से आह्वान करते हैं कि वह संभावित समय-सीमा सहित कार्यान्वयन पैकेजों पर काम पूरा करे, और हम कर उद्देश्यों के लिए पारदर्शिता और सूचनाओं के आदान-प्रदान पर वैश्विक फोरम को आमंत्रित करते हैं ताकि प्रासंगिक क्षेत्राधिकारों द्वारा दोनों पैकेजों के व्यापक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता और निगरानी प्रक्रियाओं का निर्माण किया जा सके।

32. हम स्थायी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देने और स्थानीय मुद्रा पूंजी बाजार विकसित करने सहित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे के दीर्घकालिक वित्तीय लचीलेपन को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम उदारीकरण और पूंजी प्रवाह के प्रबंधन पर आईएमएफ के संशोधित संस्थागत दृष्टिकोण का स्वागत करते हैं और मूल उद्देश्यों के प्रति सचेत रहते हुए पूंजी प्रवाह प्रबंधन उपायों के उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय ढाँचे के सुसंगत कार्यान्वयन पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ चर्चा जारी रखने के लिए तत्पर हैं। हम एकीकृत नीति ढांचे के संचालन में आईएमएफ द्वारा आगे की प्रगति के लिए तत्पर हैं और मैक्रो-फाइनेंशियल स्टेबिलिटी फ्रेमवर्क पर बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) द्वारा रिपोर्ट का स्वागत करते हैं । हम अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और अखंडता को बनाए रखते हुए, सीमा पार से भुगतान की सुविधा के लिए सीबीडीसी को संभावित रूप से कैसे डिज़ाइन किया जा सकता है, इसपर निरंतर खोज का स्वागत करते हैं। हम जी20 TechSprint 2022 के सफल समापन का स्वागत करते हैं, जो BISIH के साथ एक संयुक्त पहल है, और जिसने CBDC को लागू करने के लिए सबसे व्यावहारिक और व्यवहार्य समाधानों पर बहस में योगदान दिया है। हम एक मजबूत और प्रभावी वैश्विक वित्तीय सुरक्षा जाल बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं जिसके केंद्र में एक मजबूत, कोटा-आधारित और पर्याप्त रूप से संसाधनों वाला आईएमएफ है। हम कोटा की पर्याप्तता पर फिर से विचार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और 15 दिसंबर 2023 तक एक गाइड के रूप में एक नए कोटा फॉर्मूले सहित कोटा की 16वीं सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ शासन सुधार की प्रक्रिया को जारी रखेंगे। हमारा ध्यान आईएमएफ अधिभार नीति की चर्चा जारी रखने पर है।

33. [1]हम सभी कमजोर देशों को एक साथ उबरने, और मजबूत होने के लिए समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) या समकक्ष योगदान के स्वैच्छिक चैनलिंग के माध्यम से 81.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का स्वागत करते हैं, और सबसे अधिक जरूरतमंद देशों के लिए सभी इच्छुक व सक्षम देशों से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल वैश्विक महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए स्वैच्छिक योगदान का आह्वान करते हैं। हम योग्य निम्न-आय वाले देशों, छोटे राज्यों और कमजोर मध्य-आय वाले देशों की लंबी अवधि की संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने में मदद करने के लिए रेसिलियेंस एंड सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट (आरएसटी) के संचालन का स्वागत करते हैं, जो महामारी और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले जोखिमों सहित मैक्रोइकोनोमिक जोखिमों को दूर करते हैं। हम आरएसटी में स्वैच्छिक योगदान का स्वागत करते हैं और इसके लिए तथा विशेष रूप से गरीबी उन्मूलन एवं विकास ट्रस्ट (पीआरजीटी) के लिए अतिरिक्त प्रतिज्ञाओं और समय पर योगदान का आह्वान करते हैं। विशेष रूप से सब्सिडी संसाधनों के लिए, ताकि धन की जरूरतों को पूरा करने के लिए योगदानकर्ताओं का एक बड़ा सम्पर्क क्षेत्र बनाया जा सके। हम राष्ट्रीय कानूनी ढांचे और एसडीआर की आरक्षित संपत्ति की स्थिति को बनाए रखने की आवश्यकता का सम्मान करते हुए बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) के माध्यम से एसडीआर को स्वैच्छिक रूप से प्रसारित करने के लिए देशों के लिए व्यवहार्य विकल्पों का पता लगाने के लिए उपलब्ध हैं। हम एमडीबी के विकास प्रभाव को अधिकतम बढ़ाने के लिए बैलेंस शीट अनुकूलन उपायों और अन्य संभावित तरीकों

सहित अन्य तरीकों का पता लगाएंगे। हम शीघ्र विचार-विमर्श का स्वागत करते हैं और एमडीबी से आग्रह करते हैं कि वह अपने स्वयं के शासन ढांचे के भीतर एमडीबी की पूंजी उपयुक्तता ढांचे की जी20 स्वतंत्र समीक्षा की सिफारिशों को लागू करने के विकल्पों पर चर्चा जारी रखे और स्प्रिंग 2023 में अपडेट प्रदान करे। यह एमडीबी की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता, मजबूत क्रेडिट रेटिंग और पसंदीदा लेनदार स्थिति की सुरक्षा करते हुए सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप के चल रहे विकास के बारे में सूचित करेगा। हम इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (IBRD) की 2020 की शेयरहोल्डिंग रिव्यू की समापन रिपोर्ट को स्वीकार करते हैं और 2025 की शेयरहोल्डिंग रिव्यू की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस चुनौतीपूर्ण मोड़ पर, हम डेट सर्विस सस्पेंशन इनिशिएटिव (DSSI) से परे ऋण प्रदान करने के आम ढांचे को एक अनुमानित, समय पर, व्यवस्थित और समन्वित तरीके से लागू करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम जाम्बिया के लिए वित्तीय आश्वासन के प्रावधान सहित इस संबंध में प्रगति का स्वागत करते हैं। हम चाड को ऋण प्रदान करने की प्रक्रिया के पूरा होने का स्वागत करते हैं और 2023 की शुरुआत में जाम्बिया के लिए ऋण प्रक्रिया के समय पर पूरा होने को प्रोत्साहित करते हैं।
हम आईएमएफ समर्थित कार्यक्रम के तहत इथियोपिया के लिए ऋण प्रक्रिया के पूरा होने को भी प्रोत्साहित करते हैं। हम कुछ कमजोर मध्यम आय देशों में बिगड़ती ऋण स्थिति के बारे में चिंतित हैं। इसे बहुपक्षीय समन्वय द्वारा संबोधित किया जा सकता है जिसमें सभी आधिकारिक और निजी द्विपक्षीय लेनदारों को ऋण के लिए उनके अनुरोधों का जवाब देने के लिए त्वरित कार्रवाई करना शामिल है। हम इस बात पर ज़ोर देते हैं कि निजी लेनदारों और अन्य आधिकारिक द्विपक्षीय लेनदारों को ऋण प्रक्रिया सिद्धांत की तुलना में निष्पक्ष रूप से बोझ साझा करने के लिए कम से कम अनुकूल शर्तों पर ऋण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। हम ऋण पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में काम जारी रखने के लिए निजी लेनदारों सहित सभी घटकों द्वारा किए जाने वाले संयुक्त प्रयासों के महत्व को दोहराते हैं। हम निजी क्षेत्र के उधारदाताओं के प्रयासों का स्वागत करते हैं जिन्होंने पहले ही संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय वित्त संस्थान (IIF)/OECD के डेटा रिपॉजिटरी पोर्टल में डेटा का योगदान दिया है, और वे दूसरों को भी स्वैच्छिक आधार पर योगदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

34. अधिक चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक और वित्तीय दृष्टिकोण के सामने, हम वैश्विक वित्तीय प्रणाली के लचीलेपन को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं और वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) और IMF से अपने निगरानी प्रयासों को जारी रखने के लिए कहते हैं। हम नीतिगत उपायों के निरंतर समन्वय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के कार्यान्वयन सहित वैश्विक वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम वित्तीय क्षेत्र की बाहर निकलने की रणनीतियों, और 2022 के अंत तक कोविड-19 के डरावने प्रभावों तथा वित्तीय स्थिरता के मुद्दों को लेकर इसके समाप्त होने पर आधारित एफएसबी की अंतिम रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम विशेष रूप से सीमा पार स्पिलओवर के खिलाफ लचीलापन बढ़ाने के लिए वैश्विक नीति कार्रवाइयों का पुरजोर समर्थन करते हैं, जिसमें गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता (NBFI) में निहित संरचनात्मक कमजोरियों को एक क्रमबद्ध परिप्रेक्ष्य से संबोधित करना शामिल है। इसके लिए, हम खुले हुए फंड सहित एनबीएफआई में प्रणालीगत जोखिम को दूर करने के लिए नीतिगत प्रस्तावों के साथ एफएसबी की एनबीएफआई प्रगति रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बीसीबीएस), भुगतान और बाजार अवसंरचना पर बीआईएस समिति (सीपीएमआई) और सीमांत प्रथाओं की समीक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (आईओएससीओ) की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम जलवायु संबंधी वित्तीय जोखिमों को संबोधित करने के लिए एफएसबी के अद्यतन रोडमैप के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने का समर्थन करते हैं जो जी20 के सतत वित्त रोडमैप का पूरक है। जलवायु संबंधी वित्तीय जोखिमों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए विश्व स्तर पर सुसंगत डेटा की आवश्यकता है। हम विश्व स्तर पर सुसंगत, तुलनीय और विश्वसनीय जलवायु-संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण तथा जलवायु से इतर भी इसके कामों के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता मानक बोर्ड (आईएसएसबी) द्वारा मानकों को अंतिम रूप देने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, और हम प्रकटीकरण ढांचे में अंतर-संचालनीयता प्राप्त करने के प्रयासों का स्वागत करते हैं। हम लगातार और तुलनीय जलवायु संबंधी वित्तीय प्रकटीकरण प्राप्त करने पर एफएसबी की प्रगति रिपोर्ट और जलवायु संबंधी जोखिमों के लिए पर्यवेक्षी और नियामक दृष्टिकोण पर अंतिम रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम अधिकार क्षेत्र द्वारा जलवायु-परिदृश्य विश्लेषण पर एफएसबी और नेटवर्क फॉर ग्रीनिंग द फाइनेंशियल सिस्टम (एनजीएफएस) की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं।

35. हम यह सुनिश्चित करने के लिए एफएसबी और अंतरराष्ट्रीय मानक तय करने वालों के काम का स्वागत करते हैं कि क्रिप्टो-परिसंपत्ति पारिस्थितिकी तंत्र, तथाकथित स्थिर मुद्रा की बारीकी से निगरानी की जाती है और यह वित्तीय स्थिरता के लिए संभावित जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत विनियमन, पर्यवेक्षण और निरीक्षण के अधीन है। हम 'समान गतिविधि, समान जोखिम, समान विनियमन' के सिद्धांत के आधार पर क्रिप्टो-परिसंपत्ति गतिविधियों के नियमन के लिए एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने के लिए एफएसबी के प्रस्तावित दृष्टिकोण का स्वागत करते हैं। हम "वैश्विक स्थिर मुद्रा" व्यवस्था के विनियमन, पर्यवेक्षण और निरीक्षण के लिए इसकी उच्चस्तरीय सिफारिशों की समीक्षा पर एफएसबी सलाहकार रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम क्रिप्टो-परिसंपत्ति गतिविधियों और बाजारों के लिए विनियामक और पर्यवेक्षी दृष्टिकोणों की अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने पर एफएसबी परामर्श रिपोर्ट का भी स्वागत करते हैं। नवाचार के लाभों का उपयोग करते हुए, नियामक परिणामों को मजबूत करने और एकस्तरीय खेल का समर्थन करने के लिए जोखिमों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बनाना महत्वपूर्ण है। हम बीआईएस सीपीएमआई और आईओएससीओ के अंतिम मार्गदर्शन का स्वागत करते हैं जो इस बात की पुष्टि करता है कि वित्तीय बाजार बुनियादी ढांचे के सिद्धांत व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण स्थिर मुद्रा व्यवस्था पर लागू होते हैं। हम साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग में अधिक सम्मिलन प्राप्त करने पर एफएसबी सलाहकार रिपोर्ट का स्वागत करते हैं, और अंतिम रिपोर्ट की प्रतीक्षा करते हैं।
हम डेटा गैप्स इनिशिएटिव (DGI-2) के दूसरे चरण के परिणामों का स्वागत करते हैं और चिन्हित शेष चुनौतियों का समाधान करने के लिए भागीदारों के साथ काम करते रहेंगे। हम भाग लेने वाले सदस्यों के सहयोग से IMF, FSB और इंटर-एजेंसी ग्रुप ऑन इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल स्टैटिस्टिक्स (IAG) द्वारा तैयार किए गए नए डेटा गैप्स इनिशिएटिव (DGI) पर कार्ययोजना का स्वागत करते हैं। हम आईएमएफ, एफएसबी और आईएजी से इन डेटा अंतराल को भरने पर काम शुरू करने और 2023 की दूसरी छमाही तक हुई प्रगति पर पुनः रिपोर्ट करने के लिए कहते हैं, यह देखते हुए कि लक्ष्य महत्वाकांक्षी हैं और इसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकीय क्षमताओं, प्राथमिकताओं को ध्यान में रखना होगा और देश की परिस्थितियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओवरलैप और दोहराव से बचना होगा। हम दूसरी रिपोर्ट और चल रहे सार्वजनिक परामर्श सहित कॉर्पोरेट प्रशासन के G20/OECD सिद्धांतों की समीक्षा पर काम की प्रगति का स्वागत करते हैं, और समीक्षा पर आगे के अपडेट की प्रतीक्षा है।

36. हम फिर से दोहराते हैं कि डब्ल्यूटीओ को केंद्र में रखते हुए, नियम-आधारित, गैर-भेदभावपूर्ण, मुक्त, निष्पक्ष, खुला, समावेशी, न्यायसंगत, टिकाऊ और पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली (एमटीएस), एक खुली और परस्पर जुड़ी दुनिया में समावेशी विकास, नवाचार, नौकरी निर्माण और सतत विकास के उद्देश्यों को पूरा करने के साथ-साथ कोविड-19 और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के कारण तनावग्रस्त हो चुकी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और पुनर्बहाली का समर्थन करने के लिए अपरिहार्य है। हम इस बात से सहमत हैं कि एमटीएस में विश्वास को मजबूत करने के लिए डब्ल्यूटीओ में सुधार महत्वपूर्ण है। हम सभी के लिए एक अनुकूल व्यापार और निवेश वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एकस्तरीय खेल खेलने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना जारी रखेंगे। हम UN 2030 एजेंडा और इसके SDG को बढ़ावा देने के लिए MTS के योगदान को महत्व देते हैं। 12वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी12) के सफल समापन की सराहना करते हुए, हम डब्ल्यूटीओ सुधार पर सक्रिय, रचनात्मक, व्यावहारिक और केंद्रित चर्चाओं में संलग्न होकर सकारात्मक गति बनाए रखने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि MC13 की ओर बढ़ते हुए विवाद निपटान तंत्र में सुधार सहित इसके सभी कार्यों में सुधार हो सके।

37. हम आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों को हल करने और व्यापार व्यवधानों से बचने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा मानना है कि व्यापार और जलवायु/पर्यावरण नीतियां पारस्परिक रूप से सहायक और विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप होनी चाहिए तथा उन्हें सतत विकास के उद्देश्यों में योगदान देना चाहिए। हम डिजिटल व्यापार पर समावेशी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी पहचानते हैं। हम अत्यधिक उत्पादक क्षेत्रों जैसे डाउनस्ट्रीम मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल व्यापार और सेवाओं में स्थायी और समावेशी

निवेश के माध्यम से मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने तथा विदेशी निवेशकों और स्थानीय उद्यमों विशेष रूप से एमएसएमई के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानते हैं। हम व्यापार, निवेश और उद्योग के बीच नीतिगत सामंजस्य पर चर्चा करने के लिए इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी की पहल को देखते हैं, और उपयुक्त रूप से व्यापक जी20 प्रक्रिया में उद्योग से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना जारी रखते हैं।

38. हम स्थायी, समावेशी, सुलभ और किफायती तरीके से बुनियादी ढांचे के निवेश को पुनर्जीवित करने के महत्व को पहचानते हैं। हम स्वैच्छिक और गैर-बाध्यकारी G20/GI हब फ्रेमवर्क का समर्थन करते हैं कि सतत बुनियादी ढांचे के निवेश को बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी का सर्वोत्तम लाभ कैसे उठाया जाए, जो देश की परिस्थितियों पर विचार करेगा, और जो सार्वजनिक निवेश और एमडीबी द्वारा प्रदान किए गए वित्त सहित अन्य स्रोतों से निवेश का पूरक होगा। हम 2022 जी20 इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर्स डायलॉग के परिणामी दस्तावेज को ध्यान में रखते हैं। सामाजिक समावेश को बढ़ाने तथा उप-राष्ट्रीय विषमताओं को दूर करने के लिए, हम समावेशन और क्षेत्रों एवं शहरों में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा निवेश में वित्त पोषण और फंड जुटाने के लिए G20-OECD पॉलिसी टूलकिट का समर्थन करते हैं, जिसे एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सहयोग से तैयार किया गया है। हम बुनियादी ढांचे के जीवनचक्र के दौरान जेंडर संबंधी विचारों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे में निजी भागीदारी में जेंडर समावेशी दृष्टिकोण पर प्रारंभिक निष्कर्ष रिपोर्ट को देख रहे हैं और हमें अंतिम रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। हम इंफ्राट्रैकर 2.0 का समर्थन करते हैं, जो लंबी अवधि की बुनियादी ढांचा रणनीतियों और योजनाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करके सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को कोविड-19 के बाद परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा निवेश की दिशा में सक्षम बनाएगा। डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए, हम डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस पर केस स्टडीज: मुद्दे, अभ्यास और नवाचार, के जी20 संग्रह का समर्थन करते हैं। हम जी20 के लिए विकसित क्वालिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट (QII) संकेतक और संबंधित मार्गदर्शन नोट का समर्थन करते हैं, जो स्वैच्छिक और गैर-बाध्यकारी हैं और देश की परिस्थितियों पर विचार करते हैं, और क्यूआईआई संकेतकों को कैसे लागू किया जा सकता है, हमें इस पर आगे की चर्चाओं की प्रतीक्षा है। हम ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर हब (जीआई हब) के लिए एक संभावित नए शासन मॉडल के विकास की दिशा में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं और प्रक्रिया को निर्देशित करने के सिद्धांतों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की अपील करते हैं।

39. ऑटोमेशन और डिजिटल तकनीकों का उदय कार्य की दुनिया को नया रूप दे रहे हैं, जिसमें अवसर और चुनौतियां दोनों मौजूद हैं। स्थिति में और इजाफा करते हुए, कोविड-19 महामारी ने कई देशों में पहले से मौजूद असमानताओं को बढ़ा दिया है और यह अभी भी महिलाओं, युवाओं, वृद्ध श्रमिकों, दिव्याग व्यक्तियों और प्रवासी श्रमिकों को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है। हम इस बात को रेखांकित करते हैं कि श्रम बाजार पर वर्तमान ट्रेंड के प्रतिकूल प्रभावों को कम करना, स्वचालन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के अवसरों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाते हुए असमानताओं को कम करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम अच्छे काम को बढ़ावा देने और बाल व मजबूर श्रम को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

40. हम अपने पुनर्बहाली प्रयासों में, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की भावना और राष्ट्रीय नीतियों, कानून और परिस्थितियों के अनुरूप प्रवासी श्रमिकों, शरणार्थियों सहित प्रवासियों के पूर्ण समावेश का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के लिए पूर्ण सम्मान सुनिश्चित करते हुए चाहे उनके प्रवास की स्थिति जो भी है। हम मानवीय जरूरतों को पूरा करते हुए और विस्थापन के मूल कारणों को समझते हुए सुरक्षित, व्यवस्थित और नियमित प्रवासन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में अनियमित प्रवासन प्रवाह और प्रवासियों की तस्करी को रोकने का महत्व पहचानते हैं। हम मूल, पारगमन वाले देशों और गंतव्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने का समर्थन करते हैं। हम भावी प्रेसीडेंसियों में पलायन और जबरन विस्थापन पर संवाद को जारी रखेंगे।

41. हम एक मानव-केंद्रित, समावेशी, निष्पक्ष, स्थायी दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अधिक सामाजिक न्याय, सभ्य कार्य और सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा की ओर ले जाता है। हम एक समावेशी श्रम बाजार की खोज में सभी क्षेत्रों

और स्तरों से दिव्यांग व्यक्तियों, महिलाओं और युवाओं को एकीकृत करते रहेंगे। हम मानव क्षमता, श्रम बाजार और उत्पादकता के सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित हैं, जिसमें समुदाय आधारित व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण शामिल है, तथा जिससे उद्यमिता के माध्यम से रोजगार सृजन को आगे बढ़ाया जा सके, एमएसएमई को सशक्त बनाया जा सके, और सभी श्रमिकों, जिनमें अनौपचारिक क्षेत्र के कर्मचारी भी शामिल हैं, की श्रम सुरक्षा को बढ़ावा देने और अनुकूलित करने के हमारे प्रयासों में तेजी लाई जा सके। हम सामाजिक भागीदारों की भागीदारी के साथ श्रम बाजार की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए कौशल विकास के अपने दृष्टिकोण को अधिकतम करेंगे। हम एंटाल्या यूथ गोल के साथ-साथ 2030 तक सभी के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को गति देंगे।

42. हम इस बात से बहुत चिंतित हैं कि कोविड-19 महामारी सहित बहुआयामी संकट के साथ-साथ राजकोषीय स्थान की कमी और वित्त एवं प्रौद्योगिकी तक असमान पहुंच, सतत विकास के लिए 2030 के एजेंडा और अदीस अबाबा एक्शन एजेंडा को समयबद्ध तरीके से साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण चुनौतियां उत्पन्न कर रहे हैं। हम नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे और सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा को लागू करने के लिए सामूहिक कार्रवाई करेंगे। साथ ही, 2030 तक एसडीजी की उपलब्धि में तेजी लाने और 2030 एजेंडा को लागू करने के उद्देश्य से एक अधिक समावेशी बहुपक्षवाद और सुधार को फिर से मजबूत करके विकास संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

43. इस संबंध में, हम समावेशी और स्थायी पुनर्बहाली को मजबूत करेंगे और महत्वाकांक्षी एवं ठोस कार्रवाइयों के माध्यम से प्रशांत व कैरेबियन तथा एलडीसी में एसआईडीएस सहित सभी विकासशील देशों में लचीलापन का निर्माण करेंगे। हम अफ्रीका के साथ जी20 कॉम्पेक्ट और अफ्रीका व एलडीसी में सहायक औद्योगीकरण पर जी20 पहल के माध्यम से अफ्रीका के लिए अपने निरंतर समर्थन को भी दोहराते हैं। हम एमएसएमई (MSMEs), अनुकूलन योग्य सामाजिक सुरक्षा, हरित अर्थव्यवस्था और नीली अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने और अच्छे अभ्यास को साझा करने के साथ-साथ मजबूत पुनर्बहाली तथा लचीलापन के लिए समावेशी और गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे के निवेश के लिए साझेदारी की आवश्यकता को पहचानते हैं। हम पारदर्शिता और आपसी जवाबदेही के महत्व को ध्यान में रखते हुए, मिश्रित वित्त सहित अभिनव वित्तपोषण तंत्र को बढ़ाकर, 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन की दिशा में वित्तपोषण के अंतराल को संबोधित करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। हम कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंस इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल ब्लेंडेड फाइनेंस एलायंस जैसी पहलों पर नज़र रखते हैं और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए ग्लोबल प्लेटफॉर्म का स्वागत करते हैं। हम 2023 में एसडीजी शिखर सम्मेलन की सफलता की आशा करते हैं।

44. शिक्षा तक पहुंच एक मानवाधिकार है और यह समावेशी एवं स्थायी आर्थिक सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। हम ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन समिट के नतीजों का स्वागत करते हैं। हम विशेष रूप से विकासशील देशों के साथ अधिक लचीली, तकनीकी, सुलभ और प्रभावी शिक्षा प्रणालियों के पुनर्निर्माण के लिए एकजुटता से कार्य करेंगे। हम शिक्षा की बाधाओं को दूर करने, शिक्षण और सीखने के माहौल में सुधार करने तथा महिलाओं और लड़कियों पर जोर देने के साथ शिक्षा के सभी चरणों में संक्रमण का समर्थन करने के लिए जी20 के भीतर और उससे परे प्रासंगिक अभिनेताओं को सशक्त बनाएंगे। हम काम के लिए उनकी तैयारी में शिक्षार्थियों के कल्याण के महत्व और अधिक न्यायसंगत, समावेशी और टिकाऊ समाज में सार्थक भागीदारी और योगदान को भी रेखांकित करते हैं। हम सतत विकास के लिए शिक्षा (ESD) के महत्व और एक समावेशी व समान गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए SDG4 के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम काम की बदलती प्रकृति के बीच सभी स्तरों पर आजीवन सीखने को बढ़ावा देने और इस संबंध में साझेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

45. हम विशेष रूप से स्वास्थ्य, जलवायु, भोजन और ऊर्जा संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सतत संसाधन उपयोग में अनुसंधान और नवाचार के महत्व को स्वीकार करते हैं। हम जैव विविधता के संरक्षण और हरित व नीली

अर्थव्यवस्था सहित सतत विकास का समर्थन करने के लिए इसके उपयोग के लिए अनुसंधान और नवाचार सहयोग का स्वागत करते हैं। हम अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के साथ-साथ शोधकर्ताओं की अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए समावेशी सहयोग को भी बढ़ावा देते हैं।

46. चूंकि महिलाएं और लड़कियां कोविड-19 महामारी और अन्य संकटों से असमान रूप से प्रभावित हो रही हैं, हम एक समावेशी पुनर्बहाली और स्थायी विकास के लिए अपने प्रयासों के मूल में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम लैंगिक आधार पर वेतन में अंतर को समाप्त करने पर ध्यान देने के साथ भुगतान योग्य और अवैतनिक देखभाल तथा घरेलू काम में असमान वितरण को संबोधित करने सहित वित्तीय समावेशन और डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए ब्रिसबेन गोल पर जी20 रोडमैप को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम लिंग आधारित हिंसा के उन्मूलन, सामाजिक, स्वास्थ्य, देखभाल और शैक्षिक सेवाओं में वृद्धि, तथा लैंगिक रूढ़ियों पर काबू पाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम महिलाओं और लड़कियों की समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जिसमें एसटीईएम शिक्षा में भागीदारी, एमएसएमई के माध्यम से महिला उद्यमिता, और नेतृत्व के पदों पर महिलाओं और लड़कियों की पहुंच शामिल है। हम ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और दिव्यांग महिलाओं के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देंगे। हम एम्पॉवर एलायंस द्वारा किए गए कार्यों और जी20 के साथ इसके जुड़ाव का स्वागत करते हैं, और भविष्य में महिला अधिकारिता पर जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के आयोजन का समर्थन करते हैं।

47. हम वैश्विक बहाली के लिए पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका और अधिक मानव-केंद्रित, समावेशी, टिकाऊ और लचीले पर्यटन क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिए समुदाय-आधारित दृष्टिकोण की पुष्टि करते हैं। हम सुरक्षित अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता और कनेक्टिविटी को मजबूत करने तथा पर्यटन को सक्षम बनाने के लिए कोविड के बाद निर्बाध यात्रा करने के महत्व को स्वीकार करते हैं। हम यह भी मानते हैं कि रचनात्मक अर्थव्यवस्था, जिसमें ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था, मानव रचनात्मकता और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं, मानव पूंजी विकास, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासतों के सतत संरक्षण व अभिनव वित्तपोषण के माध्यम से उनके महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए, स्थानीय पर्यटन समुदायों और एमएसएमई के लचीलेपन में सुधार करने में योगदान करती है।

48. हम अपने सामाजिक और आर्थिक लाभों से परे आंतरिक मूल्य के साथ सतत विकास के लिए एक उत्प्रेरक और वाहक के रूप में संस्कृति की भूमिका की पुष्टि करते हैं। हम उन नीतियों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो सांस्कृतिक विविधता को स्थायी जीवन के लिए एक संसाधन के रूप में आकर्षित करती हैं और सभी स्तरों पर एक समावेशी और न्यायसंगत पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती हैं जो संस्कृति, कला और विरासत क्षेत्रों में काम करने वालों के योगदान को महत्व देती हैं। हम, जहाँ तक लागू हो, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों सहित हमारे लोगों की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान, रक्षा और संरक्षण करेंगे। हम सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निजी क्षेत्र से सार्वजनिक प्रोत्साहन और स्थायी निवेश का समर्थन करते हैं। हम प्रासंगिक यूनेस्को सम्मेलनों और राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने के साथ-साथ सांस्कृतिक संपत्ति की अवैध तस्करी से लड़ेंगे और इसके सही मालिक/मूल देशों को इसे वापस करने को बढ़ावा देंगे।

49. हम भ्रष्टाचार के लिए जीरो टॉलरेंस की अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करते हुए, कानूनी रूप से बाध्यकारी साधनों सहित भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों के लिए अपने दायित्वों और प्रतिबद्धताओं को मजबूत और लागू करते हुए उदाहरण प्रस्तुत कर नेतृत्व करते रहेंगे। हम सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के लिए पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के महत्व को सामूहिक पुनर्बहाली प्रयास के महत्वपूर्ण भाग के रूप में मानते हैं। हम किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को रोकने और उससे निपटने में ऑडिटिंग के साथ-साथ सार्वजनिक भागीदारी और भ्रष्टाचार विरोधी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं। हम अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराते हैं और सभी देशों से रिश्वतखोरी को अपराध घोषित करने का आह्वान करते हैं, जिसमें विदेशी सरकारी अधिकारियों की रिश्वतखोरी तथा रिश्वतखोरी को प्रभावी ढंग से रोकना, मुकाबला करना, पता लगाना, जांच करना, मुकदमा चलाना और मंजूरी देना शामिल है। हम

स्वैच्छिक आधार पर, मौजूदा नेटवर्क और ग्लोबई व जी20 डेनियल ऑफ एंट्री एक्सपर्ट नेटवर्क जैसी पहल के आधार पर, आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए आगे काम करेंगे, जिसमें संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित भ्रष्टाचार शामिल हैं। हम यूएनसीएसी के अनुच्छेद 16 के अनुरूप विदेशी रिश्वतखोरी के अपराधीकरण और विदेशी रिश्वतखोरी कानून को लागू करने की दिशा में हमारे कार्यों पर जानकारी को साझा करेंगे, और जहाँ तक उपयुक्त हो, OECD रिश्वतखोरी रोधी कन्वेंशन में भागीदारी बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। हम घरेलू कानूनों के अनुसार, भ्रष्टाचार के अपराधियों और उनकी संपत्ति को सुरक्षित आश्रय देने से इनकार करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार के जोखिम को कम करने के महत्व को भी पहचानते हैं। हम अखंडता की संस्कृति को आगे बढ़ाने सहित शिक्षा, नागरिक समाज, मीडिया और निजी क्षेत्र जैसे हितधारकों के साथ अपनी भागीदारी को और मजबूत करेंगे और उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देंगे।

50. हम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और प्रसार के वित्तपोषण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। हम इन खतरों का जवाब देने के लिए वैश्विक कार्रवाई का नेतृत्व करने के लिए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) और इसके FATF स्टाइल रीजनल बॉडीज (FSRBs) की रणनीतिक प्राथमिकताओं को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम वर्चुअल संपत्ति, विशेष रूप से "यात्रा नियम", और लाभकारी स्वामित्व की पारदर्शिता पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए एफएटीएफ की पहल का स्वागत करते हैं और प्रणालीगत भ्रष्टाचार एवं पर्यावरणीय अपराधों के खिलाफ लड़ाई में उनकी भूमिका को स्वीकार करते हैं, जो अर्थव्यवस्थाओं और समाजों पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। हम घरेलू ढांचे के अनुरूप आपराधिक कार्यवाही को बंद करने और पीड़ितों और राज्यों को धन वापस करने के वैश्विक प्रयासों को बढ़ाने के लिए एफएटीएफ के चल रहे काम का समर्थन करते हैं। हम सभी जी20 सदस्यों को एफएटीएफ मानकों को अपनाने और प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

51. हम जी20 सदस्यों, आमंत्रित देशों, और क्षेत्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से राष्ट्रीय प्रस्तुतियों और अंतर्राष्ट्रीय समन्वित सहयोग की एक विस्तृत श्रृंखला को संकलित करने के लिए इंडोनेशियाई प्रेसीडेंसी के प्रयासों का स्वागत करते हैं। इन्हें "जी20 एक्शन फॉर स्ट्रॉन्ग एंड इनक्लूसिव रिकवरी", में संलग्नक के साथ प्रस्तुत किया गया है। हम एक साथ उबरने और मजबूती से उबरने के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों को अधिक गति और प्रभाव प्रदान करने के लिए और ठोस कार्रवाई करने का आह्वान करते हैं।

52. हम विभिन्न जी20 कार्यकारी समूहों और मंत्रिस्तरीय बैठकों के परिणामों का स्वागत करते हैं। हम इंडोनेशिया की अध्यक्षता के लिए और बाली जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने तथा जी20 प्रक्रिया में इसके योगदान के लिए सराहना और धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। हम 2023 में भारत में, 2024 में ब्राजील में और 2025 में दक्षिण अफ्रीका में फिर से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

हम संयुक्त राष्ट्र और इसकी विशिष्ट एजेंसियों, विश्व बैंक समूह, आईएमएफ, ओईसीडी, एशियाई विकास बैंक, ERIA, CEPI, यूरोपीय निवेश बैंक, GGGI, ICAO, IEA, IEF, IFAD, ILO, IRENA, FAO, FSB, Gavi, ग्लोबल फंड, IAEA, इस्लामिक डेवलपमेंट बैंक, ITU, मेडिसिन पेटेंट पूल, सस्टेनेबल एनर्जी फॉर ऑल (SEforAll), OPEC, WEF, WFP, WHO, WTO, UNCCD, UNCTAD, UNDESA, UNDP, UNECE, UNESCAP, UNESCO, UNFCCC, UN Global Pulse, UN Habitat, UNICEF, UNIDO, UNOPS, UN Women, UNWTO और G20 एंगेजमेंट ग्रुप्स (W20, L20, T20, S20, Y20, SAI20, P20, C20, B20, U20) सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को उनके बहुमूल्य इनपुट और नीति सिफारिशों के लिए धन्यवाद देते हैं।

अनुबंध

क. मंत्रिस्तरीय बैठकों और कार्य समूह के परिणामी दस्तावेज

1. पहली जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक की विज्ञप्ति (जकार्ता, 17-18 फरवरी 2022)
2. अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) जी20 वित्त मंत्री और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स मीटिंग (वाशिंगटन डीसी, 20 अप्रैल 2022)
3. जी20 कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों (एमएसीएस-जी20) की अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) बैठक (बाली, 5-7 जुलाई 2022)
4. जी20 तीसरी जी20 वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) बैठक (बाली, 15-16 जुलाई 2022)
5. महिला सशक्तिकरण पर अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (बाली, 24-25 अगस्त 2022)
6. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) पर्यावरण और जलवायु मंत्रियों की संयुक्त बैठक (31 अगस्त 2022)

ए. अनुबंध 1: जलवायु न्यूनीकरण के लिए महासागर आधारित कार्रवाइयों पर जी20 भागीदारी और अनुकूलन
बी. अनुबंध 2: क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी वर्किंग ग्रुप के तहत जी20 अध्ययन

7. जी20 डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक 2022 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) (बाली, 1 सितंबर 2022)

ए. अनुबंध 1: डिजिटल कनेक्टिविटी की विस्तारित अवधारणा और साझा समझ का जायजा लेना
बी. अनुबंध 2: डिजिटल अर्थव्यवस्था में कमजोर स्थितियों में लोगों की भागीदारी में सार्थक सुधार के लिए नीतियों और सिफारिशों का संग्रह
सी. अनुबंध 3: डिजिटल पहचान पर प्रमुख सक्षमकर्ताओं की पहचान पर रिपोर्ट

8. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) शिक्षा मंत्रियों की बैठक (बाली, 1 सितंबर 2022)
9. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) ऊर्जा संक्रमण मंत्रियों की बैठक 2022 (बाली, 2 सितंबर 2022)

ए. बाली कॉम्पैक्ट
बी. कार्य दशक: बाली एनर्जी ट्रांज़िशन रोडमैप
सी. पहुँच, प्रौद्योगिकी और वित्त पर स्टॉकटेक
डी. जी20 2022 एनर्जी ट्रांज़िशन वर्किंग ग्रुप साइड इवेंट्स का सारांश

10. सतत विकास लक्ष्यों के लिए बहुपक्षवाद पर जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) (बेलिटुंग, 8 सितंबर 2022)

ए. सबसे कम विकसित देश और छोटे द्वीप राज्य सहित विकासशील देशों में मजबूत सुधार और लचीलेपन के लिए जी20 रोडमैप,
बी. सबसे कम विकसित देश और छोटे द्वीप राज्य सहित विकासशील देशों में मिश्रित वित्त को बढ़ाने के लिए जी20 सिद्धांत,
सी. सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और जी20 की विकास प्रतिबद्धताओं को लेकर जी20 कार्य योजना पर 2022 जी20 बाली अपडेट

11. सतत जीवन के लिए संस्कृति: जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक का अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) (बोरोबुदुर, 13 सितम्बर 2022)
12. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair's Summary) श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक 2022 (बाली, 13-14 सितंबर 2022)

ए. समुदाय आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण (सीबीवीटी) के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से मानव क्षमता विकास में सतत विकास और उत्पादकता के लिए G20 नीति की सिफारिशें
बी. सभी श्रमिकों के लिए बढ़े हुए लचीलेपन और अधिक प्रभावी सुरक्षा के लिए श्रम सुरक्षा को अपनाने पर जी20 नीति सिद्धांत
सी. उद्यमिता को बढ़ावा देने और एमएसएमई को नौकरी सृजन तंत्र के रूप में समर्थन देने पर नीतिगत सिफारिश

डी. श्रम बाजार में दिव्यांग व्यक्तियों के एकीकरण के लिए जी20 सिद्धांतों में तेजी लाने और निगरानी पर कार्य योजना
इ. जी20 कौशल रणनीति का अपडेट
13. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) व्यापार, निवेश और उद्योग मंत्रियों की बैठक (बाली, 22-23 सितंबर 2022)
ए. एसडीजी को प्राप्त करने के लिए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करने के लिए गैर-बाध्यकारी मार्गदर्शक सिद्धांत
बी. सतत विकास के लिए निवेश को बढ़ावा देने पर जी20 संग्रह (बाली संग्रह)
14. 2022 जी20 पर्यटन मंत्रिस्तरीय बैठक अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary)
ए. पर्यटन परिवर्तन एजेंट के रूप में समुदायों और एमएसएमई को मजबूत करने के लिए बाली दिशा-निर्देश- एक जनकेंद्रित रिकवरी
15. जी20 कृषि मंत्रियों की बैठक "खाद्य उत्पादन को संतुलित करना और सबके लिए भोजन की पूर्ति के लिए व्यापार" अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) (बाली, 28 सितंबर 2022)
16. भ्रष्टाचार से निपटने में लेखापरीक्षा की भूमिका बढ़ाने पर उच्चस्तरीय सिद्धांत (29 जुलाई 2022)
17. अक्षय ऊर्जा में भ्रष्टाचार के जोखिम को कम करने पर पृष्ठभूमि नोट (11 नवंबर 2022)
18. सार्वजनिक भागीदारी और भ्रष्टाचार विरोधी शिक्षा पर अच्छी प्रथाओं का संग्रह (11 नवंबर 2022)
19. भ्रष्टाचार से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जोखिमों को कम करने के लिए कानूनी पेशेवरों के लिए विनियामक ढांचे और पर्यवेक्षी उपायों के अच्छे अभ्यास पर संग्रह (11 नवंबर 2022)
20. जी20 ACWG जवाबदेही रिपोर्ट (12 नवंबर 2022)
21. जी20 संयुक्त वित्त और कृषि मंत्रियों की बैठक: जी20 प्रेसीडेंसी अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) (वाशिंगटन डीसी, 11 अक्टूबर 2022)
22. जी20 अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) जी20 वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की चौथी बैठक (वाशिंगटन डीसी, 12-13 अक्टूबर 2022)
23 अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक: वैश्विक स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करने के लिए जी20 स्वास्थ्य मंत्रियों की कार्रवाई (बाली, 27-28 अक्टूबर 2022)
ए. लोम्बोक जी20 वन हेल्थ पॉलिसी संक्षेप
बी. टीबी प्रतिक्रिया के लिए वित्तपोषण पर कार्रवाई का आह्वान
सी. रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर कार्रवाई का आह्वान
24. अध्यक्षीय सारांश (Chair’s Summary) जी20 वित्त-स्वास्थ्य मंत्रियों की संयुक्त बैठक (बाली, 13 नवंबर 2022)

बी. मजबूत और समावेशी पुनर्बहाली के लिए जी20 की कार्रवाई